“ग्रामीण छात्रों की आर्थिक-सामाजिक स्थिति एवं अभिभावकों की शैक्षिक जागरूकता का आकांक्षा-स्तर पर प्रभाव”

(दरभंगा जिला के सन्दर्भ में)

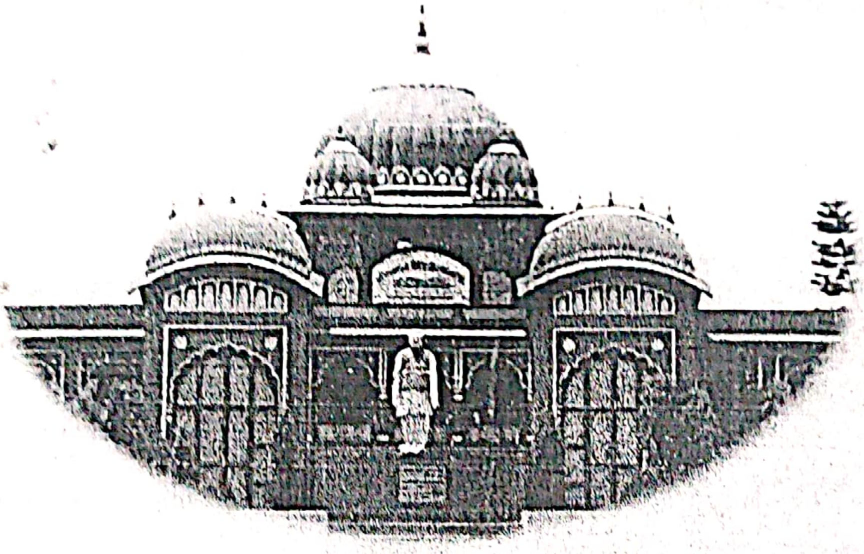

ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय
कामेश्वरनगर, दरभंगा

शिक्षा-शास्त्र विभाग

शोध प्रस्ताव

वर्ष- 2021-22

Kumari Namrata
30/1/24

नाम : हेना फातमा
रोल नंबर- 22060117
PAT-2021-22

- **शोध समस्याः** → “ ग्रामीण छात्रों की आर्थिक सामाजिक स्थिती एक अभिभावक की शैक्षिक जागरूकता का आकांक्षा–स्तर पर प्रभाव “

- **प्रस्तावनाः** → शिक्षा एक महत्वपुर्ण उपकरण है, जो हर किसी के जीवन में बहुत उपयोगी है। यह मनुष्यों को सशक्त बनाती है और उन्हें जीवन की चुनौतियों की कुशलता से सामना करने के लिए तैयार करती है। जीवन में सफलता प्राप्त करने और कुछ अलग करने के लिए एक बहुत महत्वपूर्ण साधन हैं।

  इस संदर्भ में बच्चों को मुक्त एवं अनिवार्य शिक्षा देने के लिए संविधान की धारा (21) के अन्तर्गत कानूनी प्रावधान किए गए। उनकी सामाजिक आर्थिक स्थिति तथा शिक्षा के प्रति जागरूकता नहीं बढ़ने के कारण उनकी आकांक्षा स्तर काफी कम प्रतीत होती है।

  अभिभावकों में शैक्षिक जागरूकता का आभाव भी बालकों के महत्वकांक्षा को काफी हद तक प्रभावित करते हैं। वर्तमान शोध में ग्रामीण छात्रों की सामाजिक,आर्थिक स्थिति को अवलोकन कर उनकी आकांक्षा कर उनकी शैक्षणिक उपलब्धी को बढाना है। ताकि उन्हें आर्थिक,सामाजिक रूप से सबल बनाया जा सके।

- **आर्थिक सामाजिक स्थिति** : → आर्थिक सामाजिक स्थिति से तात्पर्य बालकों की सामाजिक परिस्थिति से है। जिनके अन्तर्गत समाज में उनके बालकों की सामाजिक समायोजन एवं उनके स्थान से हैं जो उसके सामाजिक पहचान को स्थापित करता है एवं एसे एक श्रेणी प्रदान करता है। दूसरी ओर उसकी आर्थिक स्थिति, जिसके अन्तर्गत उसकी वार्षिक एवं मासिक आय से हैं, जो उसके जीवन शैली–जीवन यापन तथा उसकी आवश्यकता को दर्शाता है।

- आकांक्षा स्तर को मुख्य रूप से वातावरण व व्यक्तिगत कारकों द्वारा प्रभावित माना जाता है। वातावरण में अभिभावक की महत्वकांक्षा सामाजिक आकांक्षा तथा सफल व्यक्ति का प्रभाव एवं सांस्कृतिक सामाजिक मूल्य आदि आते हैं। आकांक्षा स्तर वह है जिसे व्यक्ति अपनी क्षमता अभिक्षमता एवं अपनी मनोदशा के आधार पर अपने लिए मापदण्ड निर्धारित करता है जो उसके भविष्य के लक्ष्यों को निर्धारित करता है।

- **सारेक्षण के अनुसारः →** "आकांक्षा का स्तर व्यक्ति द्वारा स्वयं के विशिष्ट लक्ष्यों को निर्धारित करता है।

- **सम्बंधित साहित्य का अध्यनः →** बालकों के आकांक्षा स्तर जो उसकी शैक्षणिक उपल्बधियों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करते हैं जो न केवल उनके वर्तमान की परिस्थियों से प्रभावित होते है। भविष्य के लिए भी उद्धेश्यों का निर्धारण करते है। इस संदर्भ में उनेकों महत्वपूर्ण शोंध किए जा चुके हैं। जिनका अध्ययन करना वर्तमान शोध के लिए अत्यंत आवश्यक है।

- **क्रिसटियन 'जे 'ऐ (1977)** ने सरदार पटेल Ph.D विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय के अन्तर्गत Ph.D उपाधि हेतु सरदार पटेल विश्वविद्यालय के छात्राओं की उपलब्धी अभिप्रेरणा तथा दुश्चिंता के मध्य संम्बधों का अध्ययन करते हुए इनमें धनात्मक सार्थक सम्बध पाया।

- **धंगर एस. एस. (1985)** में बुद्धि दृश्यिता एवं भौगोलिक चेरी का बालक को शिक्षा पर विशेष रूप से ग्रामिण छात्रों में व्यापक सम्बंध पाया।

- **देष पाण्डेय एस. (1986)** ने छात्रों की बुद्धि एवं आर्थिक सामाजिक स्तर का बालकों को भौक्षिणिक उपलब्धी का अध्ययन कर उनके प्रभावों के सम्बंधों को बालक रूप से परिलक्षित किया।

- **शोध उद्धेश्यः →** वर्तमान शोध ग्रामिण छात्रों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति, एवं अभिभावकों की शैक्षिक जागरूकता का ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों की आकांक्षा के स्तर प्रभाव का अध्ययन करना है।

1. ग्रामीण छात्रों की आर्थिक – सामाजिक स्थिती का अध्ययन
2. ग्रामीण छात्रों के आकांक्षा स्तरों पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करना
3. अभिभावकों के शैक्षिक जागरूकता का अवलोकन कर आकांक्षा स्तर पर उसके प्रभावों का अध्ययन कर मूल्यांकन किया जाएगा।

- **शोध परिकल्पना : →**

1. ग्रामीण छात्रों की आर्थिक सामाजिक स्थिती का उसकी आकांक्षा स्तर पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेंगा।
2. अभिभावकों के शैक्षिक जागरूकता का छात्रों की आकांक्षा स्तर पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
3. ग्रामीण छात्रों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति तथा अभिभावक को जागरूकता का आकांक्षा स्तर से कोई सम्बध नहीं होगा।

- **शोध विधि : →**
  1. वर्तमान शोध एक वर्णात्मक सवेक्षण शोध है जिसके लिए प्राथमिक तथा द्वितीय आकांक्षा का संग्रह किया जायेगा, तथा उनका सांख्यात्मक विश्लेषण कर किसी निष्कर्ष पर पहुँचाया जाऐगा।

- **न्यायदर्श :→** प्रस्तुत शोध हेतु दरभंगा जिले ग्रामीण के 10 माध्यमिक विद्यालय के 200 छात्र– छात्राओं का अध्ययन किया जायेगा।

- **न्यायदर्श चयन विधि** :– वर्तमान शोध हेतु दरभंगा जिला ग्रामीण के 10 माध्यमिक विद्यालय के 200 छात्र– छात्रों का यादृच्धिक विधि से चयन किया जायेगा।
- **शोध उपकरण** :– वर्तमान शोध में आकड़ों के संग्रह हेतु निम्नलिखित शोध उपकरणों का चयन किया जायेगा।
  1. आकांक्षा स्तर मापनी डॉ एस0 के0 सवराना (2004 ई0)
  2. परिवार वातावरण मापनी डॉ0 करूणा शंकर मिश्र
  3. अभिभावक को शैक्षिक जागरूकता हेतु स्वरचित लिकट 5 अंकिय अनुसूची का उपयोग किया जायेगा।
- प्रयुक्त सांख्यिकी विशलेषण हेतु निम्नलिखित उपाय किए जाएगें।
  1. मघ्यमान
  2. प्रमाणिक विचलण

- सीमांकन – वर्तमान शोध बिहार राज्य के दरभंगा जिला के अन्तर्गत 10 माध्यमिक विद्यालयों के कुल 200 ग्रामीण छात्रों को चयनित किया जाएगा।
- अध्यायीकरण – प्रथम अध्याय प्रस्तावना
- द्वितीय अध्याय – संबंधित साहित्य का अध्ययन
- तृतीय अध्याय – शोध उद्वेश्य एवं शोध परिकल्पना
- चतुर्थ अध्याय – शोध विधि
- सारांश एवं निष्कर्ष
- संदर्भ सूची